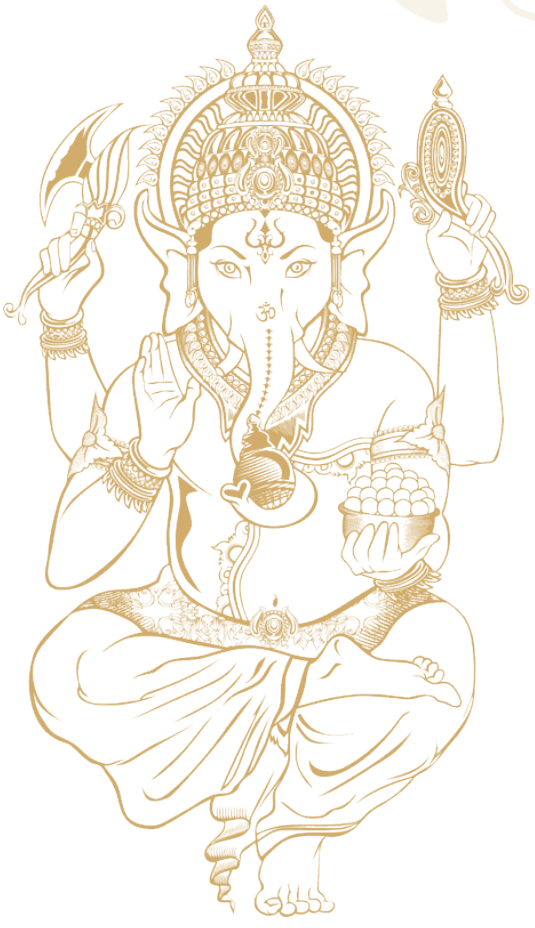

Gaurav Sharma

Sejal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121782002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/07/1998	जन्म तिथि	24/02/2001
रविवार	दिन	शनिवार
घंटे 07:19:00	जन्म समय	11:30:00 घंटे
घटी 03:46:43	जन्म समय(घटी)	10:58:40 घटी
India	देश	India
Bikaner	स्थान	Bikaner
28:01:00 उत्तर	अक्षांश	28:01:00 उत्तर
73:22:00 पूर्व	रेखांश	73:22:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:36:32	स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:48:18	सूर्योदय	07:06:32
19:35:36	सूर्यास्त	18:33:21
23:50:04	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:08

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 6मा 28दि	14:13:55	कर्क	लग्न	वृष	07:12:47	गुरु 13वर्ष 10मा 17दि
गुरु	25:42:18	मिथु	सूर्य	कुंभ	11:49:20	शनि
07/02/2022	26:02:38	मक	चंद्र	कुंभ	21:45:56	12/01/2015
07/02/2038	10:00:39	मिथु	मंगल	वृश्चि	10:58:07	12/01/2034
गुरु 28/03/2024	21:47:26	कर्क	बुध व	मक	21:39:14	शनि 15/01/2018
शनि 09/10/2026	04:09:59	मीन	गुरु	वृष	08:47:30	बुध 24/09/2020
बुध 14/01/2029	27:05:11	वृष	शुक्र	मीन	20:48:34	केतु 03/11/2021
केतु 21/12/2029	08:46:08	मेष	शनि	वृष	01:02:10	शुक्र 02/01/2025
शुक्र 21/08/2032	08:12:24	सिंह व	राहु व	मिथु	20:26:38	सूर्य 15/12/2025
सूर्य 09/06/2033	08:12:24	कुंभ व	केतु व	धनु	20:26:38	चन्द्र 17/07/2027
चन्द्र 09/10/2034	17:47:23	मक व	हर्ष	मक	27:47:50	मंगल 25/08/2028
मंगल 15/09/2035	07:15:13	मक व	नेप	मक	13:27:38	राहु 02/07/2031
राहु 07/02/2038	11:47:05	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	21:16:31	गुरु 12/01/2034

लग्न-चलित

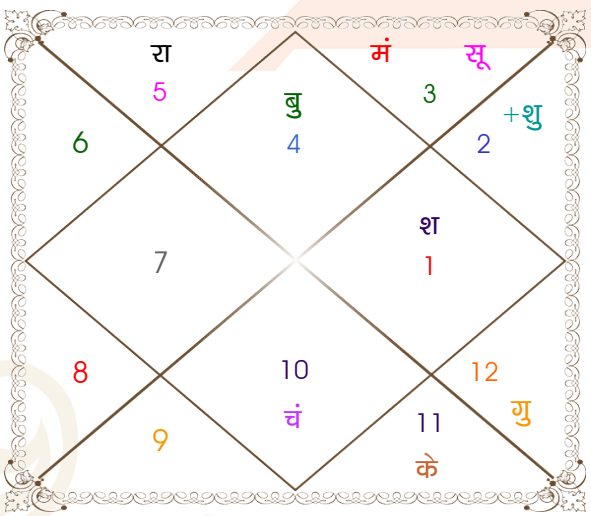

लग्न-चलित

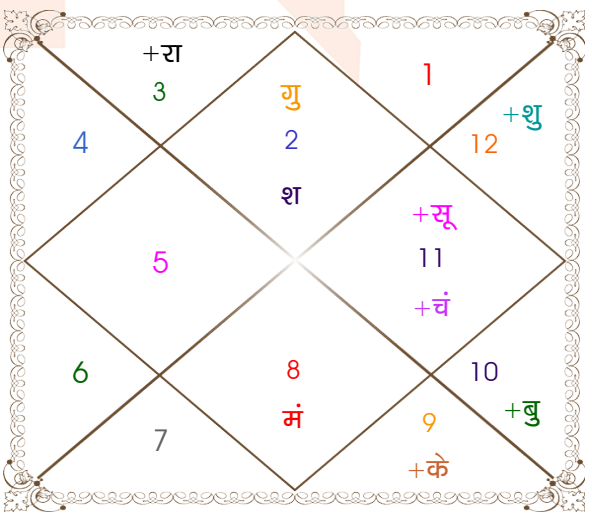

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	सिंह	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ळंनतंअौंतउं का वर्ग मार्जार है तथा ैमरंस का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ळंनतंअौंतउं और ैमरंस का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

ळंनतंअौंतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ळंनतंअौंतउं कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ैमरंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ैमरंस कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो

जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि मरंस कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ळंनतंअौतउं तथा मरंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।